रचनात्मक आकलन कक्षा (X)
विषय–उर्दू

रचनात्मक आकलन कक्षा शिक्षण के साथ–साथ चलने वाली प्रक्रिया है। यह सीखने के बाद नहीं, बल्कि सीखने के साथ ही किया जाता है। इसका उद्देश्य यह है कि विद्यार्थियों के सीखने के स्तर एवं पढ़ाई जाने वाली पाठ्यवस्तु की समझ का आकलन शिक्षण के दौरान ही किया जा सके, जिससे शिक्षक को अपनी शिक्षण तकनीक की प्रभावशीलता का फीडबैक प्राप्त हो सके तथा इसके आधार पर शिक्षक अपनी पाठ्य योजना में आवश्यक परिवर्तन कर सके। इस आकलन के आधार पर कमजोर विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त उपचारात्मक शिक्षण की योजना बनाने में भी सहायता मिलती है। अतः इससे शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को और बेहतर तथा कक्षा शिक्षण को रोचक बनाया जा सकता है।

रचनात्मक आकलन से विद्यार्थियों की शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सहभागिता बढ़ती है, जिससे सीखना और अधिक आनन्ददायक हो जाता है।

व्यवहारिक दक्षताएँ –उर्दू भाषा में सतत और व्यापक आकलन का मुख्य उद्देश्य छात्रों के क्रमिक भाषाई विकास पर बल देना है जिसे छात्र सुनकर बोलकर पढ़कर एवं लिखकर सतत प्रक्रिया के तहत प्राप्त करते हैं। उर्दू भाषा में उपरोक्त चारों दक्षताओं को प्राप्त किये बिना छात्र भाषागत दक्षता प्राप्त नहीं कर सकते । अतः शुद्ध उर्दू बोलने, पढने, लिखने तथा किसी विषय पर अपने विचारों को शुद्ध भाषा मे प्रस्तुत करने की दक्षता का विकास ही उर्दू भाषा के शिक्षक की प्राथमिकता होनी चाहिए।

इन दक्षताओं के विकास हेतु विद्यार्थियों के आस–पास होने वाली घटनाओं, समस्याओं तथा उनके समाधान के विषय, में अपने विचारों को अपने शब्दों में प्रस्तुत करने हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।

- रेडियो, दूरदर्शन पर प्रस्तारित होने वाले समाचारों वाद –विवाद एवं भाषणों को सुनकर उनपर अपनी स्पष्ट राय बनाना तथा कक्षा मे उसे व्यक्त करने का अवसर प्रदान करना चाहिए।
- विद्यार्थियों से किसी विषय पर रिपोर्ट बनवाना जिससे उनकी रचनात्मक क्षमता विकसित हो।
- छात्रों को विभिन्न गतिविधियो के माध्यम से बोलने का अवसर प्रदान करना जैसे बहस–मोबाहिसा, बैतवाजी, नज्म ख्वानी निबन्ध प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, मुशायरा द्वारा उन्हें अपनी बात को निःसकोच होकर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना।
- समय–समय पर विविध विषयों सन्देश सुनाने एवं रिपोर्ट लिखने का अवसर प्रदान किया जाए ।

कक्षा में ऐसा अवसर प्रदान किया जाए कक्षा जिससे वह आकस्मिक रूप 'से घटित होने वाली किसी घटना पर परस्पर अपनी राय रखें या आपसी परिचर्चा में भाग लें।

उपरोक्त गतिविधियों को शिक्षण के कक्षा पाठवार निम्न प्रकार जोड़ा जा सकता है –

रचनात्मक आकलन हेतु पाठवार प्रयोग की जाने वाली तकनीक एवं टूल्स–

क्रम सं0	पाठ / विषय वस्तु	पाठवार दक्षता के लिए गतिविधियां / तकनीक	भाषायी दक्षता हेतु टेक्नीक्स
1. 2. 3. 4. 5. 6. 7.	• (गद्य हिस्स नस्र) नॉवेल–मिर्जा हादी रुसवा उमरावजान अदा (इक्तेबास) • इनशाईया पतरस बुखारी – सवेरे जो कल आँख मेरी खुली • रशीद अहमद सिद्दीकी– चारपाई • अफसाना – कृष्ण चन्दर ''पूरे चाँद की रात • राजेन्द्र सिंह बेदी ''गर्म कोट'' • ख़ाकानिगारी– मौलवी अब्दुल हक • मजामीन एहतेशाम हुसैन ''हिन्दुस्तानी तहजीब के अनासिर''	• बुलन्द ख्वानी • पाठ पर आधारित लघु एवं अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछना • कठिन शब्दों का अर्थ पूछना • उर्दू गद्य की विधा, नावेल, इनशाईया मजमून, खाकानिगारी– वगैरह पर लेख लिखवाना • वहुविकल्पीय प्रश्न पूछना • वाद विवाद / समूह चर्चा • लघु मौखिक / लिखित परीक्षा	• पाठ एवं विषय से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिन्दुओं की संक्षिप्त रूप रेखा बनवाना • सम्बंधित पात्रों का चरित्र चित्रण एवं अपने विचार रखना • पाठ का वाचन • इमला लिखवाना • अहम इनशाइया, नाविल एवं अफसाना निगारों के नाम और उनकी अहम तसानीफ का चार्ट बनवाना
1. 2.	पद्य (हिस्सा नज्म) गजल–हाली इकबाल हसरत मोहानी असगर गोण्डवी फ़ानी बदायूनीं जिगर मुरादाबादी फिराक गोंरखपुरी फ़ैज अहमद फ़ैज नज्म अकबर इलाहाबादी हाली दुर्गा सहाय सुरूर चक बस्त इकबाल जोश मलीहाबादी अली सरदार ज़ाफरी अखतरूल इमान कसीदा मिर्जा मोहम्मद रफी सौदा मरसिया मीर बबर अली अनीस	• गजल व नज्म की बुलन्दखानी और अति लघु / लघु प्रश्न पूछना • गजल, नज्म कसीदा और मरसिया पर मुख्तसिर नोट लिखवाना • शब्द अर्थ • अशआर की तशरीह • नज्मों का मरकजी ख्याल लिखवाना • बहुविकल्पीय प्रश्न • मुबाहिसा • मुशायरा और बहस व मुबाहिसा	• गजलों और नजमों को सही तलफ्फुज व तरन्नुम में पढ़ना • चुनिन्दा अशआर को चार्ट पेपर पर लिखवाना • खुशखती (सुलेख)
	व्याकरण (कवायद) इस्म, जमीर, सिफत, फेल	• क्विज़ • बहुविकल्पीय प्रश्न • खाली जगहों को भरना	• फ्लो चार्ट पर कवायद के उसूल लिखवाना

	मजमून निगारी इलमुल बयान तशबीह, इस्तेआरा तलमीह, तज़ाद मुबालगा, हुसन तालील वाहिद जमा, मुताजाद अल्फाज, मुहावरा	• लेख लिखना • मौखिक अनुवाद	• अपठित गद्यांश (गैर दरसी) इक्तेबास का खुलासा • छोटे छोटे गद्यांश का अनुवाद • चार्ट पर वाहिद जमा मुताजाद अल्फाज वगैरह लिखवाना

विद्यार्थियों की दक्षताओं के मापन के लिए मानक निर्धारण एवं उनका रिकार्ड रखना।

उपरोक्त गतिविधियों पर अंक या ग्रेडिंग (ABCD) प्रदान कर उनका रिकार्ड सुरक्षित रखा जा सकता हैं।

उदाहरण 1–

दिनांकः
गतिविधि : पाठ पढ़ना।
रिकार्ड रखा जाना (प्रत्येक गतिविधि अलग–अलग दिवस में होगी।)

क्रम सं0	विद्यार्थी का नाम (सांकेतिक)	प्राप्तांक	अभियुक्ति
1	A	3	(पाठ पढ़ना धीमी गति) कमजोर
2	B	9	(सही उच्चारण, सही गति) उत्कृष्ट
3	C	6	(उच्चारण सही भाव के साथ) उत्तम
4	D	9	(धारा प्रवाह पढ़ना) उत्कृष्ट
5	E	5	शब्दों के चयन में (अच्छा) वाक्यों को समझने में (कमजोर)

उदाहरण 2–

गतिविधि का नाम–प्रोजेक्ट कार्य

क्रम सं0	छात्र/समूह का नाम	मूल्यांकन					रिमार्क
		विषय चयन	प्रस्तुतीकरण	विशिष्टता	आयोजन	प्राप्तांक	
1	A	03	02	01	02	08	उत्तम
2	B	02	01	02	02	07	उत्तम
3	C	02	03	02	02	09	उत्कृष्ट
4	D	01	01	02	01	05	ठीक
5	E	02	01	02	01	06	अच्छा
6	F	01	01	01	01	04	सन्तोष जनक

अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया जाय। कमजोर विद्यार्थियों को व्यावहारिक सुझाव एवं दिशा निर्देश प्रदान करते हुए सुधार हेतु प्रोत्साहित किया जाय। प्रदर्शन में सुधार होने पर सराहना की जाय।